नवभारत
संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

विश्व मंच पर अलग-थलग पड़ा अमेरिका

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में अमेरिका की भूमिका को लेकर एक बड़ा बदलाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कीमनमानियों के कारण अमेरिका पूरी दुनिया में लगभग अलग-थलग पड़ गया है. दरअसल, लंबे समय तक विश्व राजनीति का केंद्र रहे अमेरिका के सामने आज ऐसी परिस्थितियां बन रही हैं, जहां उसके पारंपरिक सहयोगी भी उससे दूरी बनाते नजर आ रहे हैं. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में यह बदलाव और अधिक स्पष्ट हुआ है, जिससे यह प्रश्न उठने लगा है कि क्या अमेरिका अब वैश्विक नेतृत्व की अपनी भूमिका खो रहा है.

नाटो जैसे शक्तिशाली सैन्य गठबंधन में शामिल यूरोपीय देश, जो कभी हर परिस्थिति में अमेरिका के साथ खड़े रहते थे, अब स्वतंत्र रुख अपनाते दिख रहे हैं. खाड़ी क्षेत्र में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति में ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और पोलैंड जैसे देशों द्वारा अमेरिका को अपने सैन्य अड्डों और हवाई क्षेत्र के उपयोग की अनुमति न देना एक असाधारण घटना है. यह केवल एक सामरिक निर्णय नहीं, बल्कि कूटनीतिक संकेत भी है कि यूरोप अब आंख मूंदकर अमेरिका का समर्थन करने को तैयार नहीं है.

इसी संदर्भ में बुधवार को लंदन में आयोजित लगभग 40 देशों की वर्चुअल बैठक भी महत्वपूर्ण है. ब्रिटेन की पहल पर हुई इस बैठक में भारत, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों ने भाग लिया, लेकिन अमेरिका की अनुपस्थिति ने कई सवाल खड़े कर दिए. यह बैठक उस समय हुई जब होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग की सुरक्षा एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है. ट्रंप का यह बयान कि इस जलमार्ग को सुरक्षित रखना अमेरिका की जिम्मेदारी नहीं है, उनकी विदेश नीति के बदलते दृष्टिकोण को दर्शाता है. 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के तहत वे वैश्विक जिम्मेदारियों से पीछे हटते नजर आ रहे हैं. हालांकि यह दृष्टिकोण घरेलू राजनीति में लोकप्रिय हो सकता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इससे अमेरिका की विश्वसनीयता प्रभावित हो रही है.

चीन ने भी इस स्थिति का लाभ उठाते हुए अपनी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ा दी है. उसके विदेश मंत्री वांग यी ने स्पष्ट किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य की अस्थिरता ईरान युद्ध का परिणाम है और इसका समाधान केवल युद्धविराम में निहित है. चीन का यह संतुलित और संवाद आधारित रुख उसे एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में प्रस्तुत करता है, जबकि अमेरिका की अनुपस्थिति उसकी छवि को कमजोर करती है.

भारत जैसे देश इस बदलते परिदृश्य में संतुलित भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं. लंदन बैठक में भारत की भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय शिपिंग सुरक्षा पर उसका स्पष्ट रुख यह दर्शाता है कि वह अब केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक मुद्दों पर भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है.

यह पूरी स्थिति एक बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के उभरने का संकेत देती है, जहां शक्ति का केंद्र केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रह गया है. यूरोप, चीन, भारत और अन्य क्षेत्रीय शक्तियां अब अपने-अपने हितों के अनुसार निर्णय ले रही हैं. जाहिर है यह कहना गलत नहीं होगा कि डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने अमेरिका को एक ऐसे मोड़ पर ला खड़ा किया है, जहां उसे अपने वैश्विक नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार करना होगा. यदि अमेरिका इसी तरह अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारियों से पीछे हटता रहा, तो वह दिन दूर नहीं जब विश्व राजनीति में उसकी केंद्रीय भूमिका इतिहास का हिस्सा बन जाएगी.

साइबर अपराध और डेटा चोरी
डिजिटल युग की अदृश्य चुनौती

ओजस्कर पाण्डेय

डिजिटल क्रांति ने मानव जीवन को अभूतपूर्व गति और सुविधा प्रदान की है. आज बैंकिंग से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य से लेकर शासन तक लगभग हर क्षेत्र इंटरनेट और डिजिटल तकनीक पर निर्भर हो चुका है. मोबाइल फोन और इंटरनेट की पहुँच ने आम आदमी को वैश्विक दुनिया से जोड़ दिया है. परंतु इस चमकदार डिजिटल विकास के पीछे एक काला पक्ष भी उभर कर सामने आया है— साइबर अपराध और डेटा चोरी. यह समस्या अब केवल तकनीकी नहीं रही, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा का गंभीर मुद्दा बन चुकी है.

साइबर अपराध मूलत: वे अपराध हैं जो कंप्यूटर, इंटरनेट या डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किए जाते हैं. डेटा चोरी इसका सबसे खतरनाक रूप है, जिसमें किसी व्यक्ति, संस्था या सरकार की संवेदनशील जानकारी को बिना अनुमति के चुरा लिया जाता है. आज के समय में डेटा को 'नया तेल' कहा जाता है, क्योंकि यह अत्यधिक मूल्यवान संसाधन बन चुका है. ऐसे में डेटा चोरी केवल व्यक्तिगत निजता का उल्लंघन नहीं, बल्कि आर्थिक और रणनीतिक नुकसान का भी कारण बनती है. भारत जैसे देश में, जहाँ डिजिटल इंडिया अभियान के तहत तेजी से डिजिटलीकरण हो रहा है, साइबर अपराधों की घटनाओं में भी समान रूप से वृद्धि देखी जा रही है. ऑनलाइन बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स और सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग ने आम नागरिक को डिजिटल रूप से सक्षम तो बनाया है, लेकिन साथ ही उसे साइबर ठगों के निशाने पर भी ला दिया है. अक्सर समाचारों में यह देखने को मिलता है कि किसी व्यक्ति के बैंक खाते से लाखों रुपये गायब हो गए या किसी कंपनी का डेटा हैक होकर लीक हो गया. यह स्थिति दर्शाती है कि डिजिटल सशक्तिकरण के साथ-साथ साइबर सुरक्षा की तैयारी उतनी मजबूत नहीं हो पाई है. साइबर अपराधों का स्वरूप अत्यंत विविध और जटिल है. फिशिंग, हैकिंग, रैनसमवेयर, पहचान की चोरी, ऑनलाइन ठगी जैसे कई रूप इसके अंतर्गत आते हैं. फिशिंग में अपराधी नकली ईमेल या मैसेज के माध्यम से लोगों को भ्रमित कर उनकी गोपनीय जानकारी जैसे पासवर्ड या ओटीपी हासिल कर लेते हैं. वहीं रैनसमवेयर अटैक में डेटा को लॉक कर दिया जाता है और उसे वापस पाने के लिए फिरौती की मांग की जाती है.

> साइबर अपराध और डेटा चोरी के प्रभाव बहुआयामी हैं. व्यक्तिगत स्तर पर यह आर्थिक हानि, मानसिक तनाव और सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाता है. संस्थागत स्तर पर डेटा चोरी से कंपनियों की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लग जाता है और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है. राष्ट्रीय स्तर पर यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि संवेदनशील सरकारी डेटा की चोरी से देश की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है. साइबर जासूसी और साइबर युद्ध जैसे नए आयाम इस खतरे को और अधिक जटिल बना रहे हैं. डिजिटल भारत का सपना तभी साकार हो सकता है, जब उसके नागरिक सुरक्षित महसूस करें और उनकी जानकारी सुरक्षित रहे. इसलिए, समय की मांग है कि हम साइबर सुरक्षा को प्राथमिकता दें और एक सुरक्षित, भरोसेमंद डिजिटल वातावरण का निर्माण करें. तभी तकनीकी प्रगति वास्तव में मानव कल्याण का माध्यम बन सकेगी, न कि उसके लिए एक नया खतरा.

हाल के वर्षों में कई बड़े अस्पतालों, कंपनियों और सरकारी संस्थानों पर ऐसे हमले हुए हैं, जिससे उनकी कार्यप्रणाली ठप हो गई. डिजिटल दुनिया के विस्तार के साथ साइबर अपराध अब केवल संभावित खतरा नहीं बल्कि सांख्यिकीय वास्तविकता बन चुका है. यदि इस समस्या को गहराई से समझना है, तो इसके पीछे के ठोस डेटा, ट्रेंड और केस स्टडी को देखना जरूरी है. भारत में साइबर अपराधों की स्थिति लगातार चिंताजनक होती जा रही है. नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरों की रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में देश में लगभग 65,000 से अधिक साइबर अपराध के मामले दर्ज किए गए, जो 2021 की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत अधिक थे. 2023-24 के अनौपचारिक अनुमानों के अनुसार यह संख्या 80,000-90,000 के बीच पहुँच चुकी है.

विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि कई मामले रिपोर्ट ही नहीं होते. वित्तीय नुकसान के संदर्भ में स्थिति और भी गंभीर है. भारतीय साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के अनुसार, 2023 में साइबर धोखाधड़ी से लोगों को लगभग 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ. विशेष रूप और डिजिटल पेमेंट से जुड़े फ्रॉड तेजी से बढ़े हैं. केवल 2022-23 के दौरान यूपीआई फ्रॉड के मामलों में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई. वैश्विक स्तर पर भी डेटा चोरी एक बड़ा संकट बन चुका है. इससे स्पष्ट है कि डेटा चोरी केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक संकट भी है. एक अन्य महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि डेटा ब्रीच का पता लगाने और उसे नियंत्रित करने में औसतन 200 से 300 दिन तक का समय लग जाता है.

मध्य क्षेत्र की डायरी

कानून व्यवस्था पर सवाल

दिलीप झा

मध्यप्रदेश में आए दिन हत्या , चाकूबाजी और साइबर ठगी जैसी घटनाओं में लगातार वृद्धि की वजह लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया है कि सरकार के साथ से कानून व्यवस्था फिसलती जा रही है जबकि कानून राज को बनाए रखना शासन प्रशासन की जिम्मेदारी है. 30 मार्च को दिनदहाड़े भोपाल में होटल संचालक की चाकू मारकर हत्या ,रायसेन में सरपंच पति की गोली मारकर और उसी दिन छतरपुर में कुल्हाड़ी से काटकर युवक की हत्या, इस बात को तस्दीक करती हमारा सिस्टम लुंजपुंज हो गया है और अपराधियों के हौसले बुलंद हैं.

अगर राजधानी में सरेआम किसी होटल संचालक की बदमाश गोली मारकर हत्या कर दें तो सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े होंगे कि आखिर पुलिस का इकबाल खत्म हो गया क्या? समाज में पुलिस का खौफ होना निहायत जरूरी है।

यह सर्वविदित है कि अपराधियों के मंसूबे को चकनाचूर किये बिना अपराध को नियंत्रित करना दूर की कौड़ी है. सूत्र बताते हैं कि जब जब हमारी पुलिस अपराधियों पर अंकुश लगाने की कोशिश करती है तो उन्हें राजनैतिक हल्कों से दबावों का सामना करना पड़ता है इसमें कितनी सच्चाई है, भगवान जाने लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि अगर पुलिस प्रशासन चलाने का यही तौर तरीका रहा तो फिर अपराधियों के हौसले बुलंद ही रहेंगे?

ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधियों में पुलिस का खौफ खत्म हो गया है। सूत्र बताते हैं कि बदमाशों को भली-भांति पता है कि वे कुछ भी कर देंगे उन पर कोई बड़ी कार्रवाई हो ही नहीं सकती। जाहिर है, जब इस तरह की पुलिसिंग नीति चलेगी तो बेहतर सुरक्षा व्यवस्था की उम्मीद लोग कैसे कर सकते हैं।

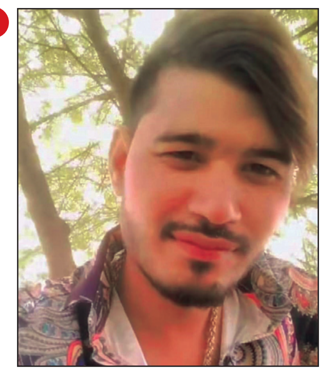

भोपाल के अशोका गार्डन थाना क्षेत्र में बदमाश आसिफ बम ने अपने दो अन्य साथियों के साथ चाय दुकान चलाने वाले विजय मेवाड़ा की हत्या कर दहशत फैला दी और वह फरार हो गया. हिंदू संगठनों के नेताओं ने थाने का घेराव किया तो पुलिस हरकत में आई और दो आरोपियों को कुछ घंटे बाद ही दबोच लिया लेकिन मुख्य आरोपी को पुलिस ने तीन दिन बाद रातीबड़ से शॉर्ट एनकाउंटर करके गिरफ्तार किया है. आरोपी आसिफ बम ने पुलिस को दिए बयान में कहा है कि चाय वाले को उसने नशे में चाकू मार दिया. सबसे बड़ा सवाल उठता है कि मृतक विजय का परिवार इसके लिए किसे दोषी ठहराए- सरकार या लुंजपुंज पुलिस सिस्टम को, जो हमारी सुरक्षा के लिए बनाया गया है.

दतिया में भाजपा पार्षद की गोली मारकर हत्या

30 मार्च को ही दतिया शहर में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद कल्लू कुशवाहा की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी. घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और आक्रोश का माहौल उत्पन्न हो गया है. यह घटना उस समय हुई जब वे मंदिर से लौट रहे थे. सेवड़ा चुंगी के पास, 5-6 बदमाशों के एक समूह ने जो घात लगाकर बैठे थे उन्हें घेर लिया और अंधाधुंध गोलियां चलाईं, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई. चश्मदीदों और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि अपराध स्थल के बेहद करीब पुलिस चौकी होने के बावजूद, पुलिस बल आधे घंटे की देरी से मौके पर पहुंचा. इस दौरान पार्षद का शव सड़क पर ही पड़ा रहा, जिससे लोगों का गुस्सा भड़क उठा. पार्षद कल्लू कुशवाहा ने अपनी चोटों के कारण दम तोड़ दिया और उनकी यह घटना एक भीड़भाड़ वाले इलाके में हुई, जिसने सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं. बताया जा रहा है कि पार्षद का शव घटनास्थल पर लगभग आधे घंटे तक पड़ा रहा. पास में ही पुलिस चौकी होने के बावजूद पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर नहीं पहुंच पाए, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश फैल गया. कहने का आशय यह है कि पुलिस मुस्तैद नहीं है. आखिर हमारी पुलिस व्यवस्था कब सुचारू होगी, यह शहर के प्रबुद्ध लोग सरकार से पूछते हैं.

बुजुर्गों के प्रति सरकार व समाज की नीति क्या हो?

यद्यपि भारत युवाओं का देश है, लेकिन फिर भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं व रहन-सहन के तरीकों में बदलाव की वजह से बुजुर्गों की आबादी बढ़ती जा रही है. वृध्दावस्था में रोग प्रतिकार क्षमता घट जाती है. ऐसे मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं पर ध्यान देने के लिए जेरियाट्रिक स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की जरूरत पड़ती है. बुजुर्गों को इन्फेक्शन या संक्रमण से बचाने के लिए पूरी सावधानी रखनी चाहिए. क्योंकि यह उनके लिए खतरनाक साबित हो सकता है. अधिक उम्र के लोगों की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं. शाकाहारी लोगों में कैल्शियम, विटामिन बी-12 की कमी पाई जाती है. जोड़ों का दर्द परेशान करने लगता है. शरीर स्थूल होने पर घुटनों पर अधिक भार आता है. चलते समय संतुलन बिगड़ने का खतरा बना रहता है. फॉल या गिरना जानलेवा साबित हो सकता है. ऐसे व्यक्तियों को छड़ी या वॉकर का सहारा लेकर चलना चाहिए. उन्हें नियमित हेल्थ चेकअप कराते हुए अपने ब्लडप्रेशर व शुगर लेवल की जानकारी रखनी चाहिए. डॉक्टरों की देखरेख की उन्हें विशेष आवश्यकता होती है. जो लोग असाध्य या लाइलाज बीमारी से पीड़ित हैं, उन्हें पैलिएटिव केयर की जरूरत है. कोलेस्ट्रॉल व किडनी की समस्या भी कॉमन हो गई है. इसलिए कम खर्च में अच्छे इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यक है. ऐसी योजनाओं का लाभ सीनियर सिटीजन्स को पहुंचाने की ओर सामाजिक संगठनों को ध्यान देना होगा. अकेलापन बुजुर्गों के मन में शून्यता भर देता है, इसलिए उन्हें अपनी रुचि का काम करने व मेलजोल के लिए प्रोत्साहित करना जरूरी है. उम्र बढ़ने पर भी जो लोग सक्रिय रहते हैं, उनका मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रहता है. सरकार व समाज को इस बारे में संवेदनशील रहना चाहिए.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

चुनाव के बाद ममता जाएंगी दिल्ली कहीं रास्ता न काट जाए बिल्ली

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज टीएमसी सुप्रीमो व बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ऐलान किया है कि बंगाल विधानसभा चुनाव में बीजेपी को बुरी तरह पछाड़ने के बाद, वह कोलकाता से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली जाएंगी और फिर वहां कब्जा करूंगी. उनकी इस घोषणा पर आपकी क्या राय है?'

हमने कहा, 'राय लेनी है तो किसी रायसाहब या रायबहादुर के पास जाइए. हम तो इतना कहेंगे कि कोलकाता से दिल्ली का सफर काफी पुराना है. अंग्रेजों ने पहले कोलकाता को अपनी राजधानी बनाया था. बाद में वह दिल्ली शिफ्ट हुए, जहां पंचम जॉर्ज का दरबार भरा था और ल्यूटन जैसे वास्तुकार ने नई दिल्ली बनाई थी. इसी तरह नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने भी अपनी आजाद हिंद फौज और देशप्रेमियों को 'दिल्ली चलो' का नारा दिया था. मोदी भी तो गुजरात से दिल्ली आकर देश के प्रधानमंत्री बने. ममता के लिए दिल्ली नई नहीं है. मनमोहन सिंह की सरकार में वह रेलमंत्री थीं'.

पड़ोसी ने कहा निशानेबाज, 'हमें वह वक्त याद आता है, जब केंद्रीय मंत्री होने के बावजूद ममता कोलकाता में ही रहती थीं और रेल मंत्रालय की फाइलें उनके हस्ताक्षर के लिए दिल्ली से कोलकाता विमान से भेजी जाती थीं. दिल्ली जाने पर भी उनका मन अपने राज्य में अटका हुआ था.'

हमने कहा 'अब ममता की राष्ट्रीय स्तर की महत्वाकांक्षा जोर मार रही है. उनकी घोषणा का आशय है कि बंगाल का चुनाव तो वह चुटकी बजाते जीत लेंगी. फिर दिल्ली जाकर मोदी सरकार को चुनौती देंगी. जरा सोचकर देखिए कि तब दिल्ली में मुर्मू, मोदी और ममता सभी एक साथ मौजूद रहेंगे. मोदी के समान ममता ने भी अपने मन की बात कह दी है.

पड़ोसी ने कहा, 'दिल्ली में उन्हें बीजेपी के अलावा आम आदमी पार्टी से भी मुकाबला करना होगा. वहां केजरीवाल के कार्यकर्ता भी तो हैं. बंगाल ममता का होम ग्राउंड है. वहां का ईडन गार्डन छोड़कर दिल्ली जाने में क्या रखा है? यदि ऐसे ही राज्य के नेता दिल्ली जाने लगे, तो उनकी होम स्टेट का क्या होगा? नीतीश के बाद ममता की भी यही तैयारी है.' हमने कहा, 'ममता की महत्वाकांक्षा उन्हें दिल्ली की ओर आकर्षित कर रही है. ऊंचा सोचने में कौन सा नुकसान है. ज्यादा से ज्यादा इतना ही होगा कि आसमान से गिरे, खजूर में लटके.'

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12218 - डॉ. सागर खादीवाला

1		2	■	3	4	5	■
	■	6	7	■	8		9
10	11			12		■	
■		■	■		■	13	
14		15	■	16			
17			18	■			■
	■	19			20	■	21
	■	22		■	23		

बाएं से दाएं
1. मृत्यु, मरण 3. वेश्या का महफिल में बैठकर गाना 6. धूल, गर्द, पराग, आर्तव (सं.) 8. स्थिर, स्थापित, निश्चित (उर्दू) 10. टैक्स कलेक्टर 13. मूल्य 14. लंबा, दीर्घ, तवील (उर्दू) 16. प्रशंसा 17. धर्म (उर्दू) 19. महीन सूती कपड़ा 22. अंधकार, अंधेरा (सं.) 23. स्वर्ग (उर्दू)

ऊपर से नीचे
1. एक यदुवंशी राजा जिनकी पुत्री देवकी से कृष्ण उत्पन्न हुए थे (सं.) 2. करुणा, दया, रहम (उर्दू) 4. इंडोनेशिया की राजधानी 5. सलाह, सम्मति 7. एकत्र, इकट्ठा, सब मिलाकर 9. आतुर होना 11. पारा, श्रृंगार रस 12. उत्कट कामना, लालसा 13. कृष्ण, कान्हा 14. राजा नल की पत्नी 15. तकलीफ, कष्ट (उर्दू) 18. प्रियतम, पति, नायक 20. होंठ (उर्दू) 21. पहरा, घूमना (उर्दू)

Solution 12217

शी	त	क	र	■	नि	ध	न
र	■	ला	स	क	■	मा	ह
मा	सू	म	■	हा	हा	का	र
ल	त	■	चौ	र	स	■	■
■	■	शं	ख	■	■	पा	त
■	स	पा	ट	ब	या	नी	■
पा	ला	■	■	वा	र	दा	त
सा	म	ना	■	ल	■	र	ब

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में सत्ता पक्ष से सुख मिलेगा. भाईयों का सहयोग व्यापार व्यवसाय में वृद्धि होगी. वर्ष के मध्य में राजनीति में अत्याधिक परिश्रम के कारण कष्ट होगा. मित्र के साथ व्यर्थ वाद विवाद के कारण मन व्यथित रहेगा. वर्ष के अन्त में शासन सत्ता से लाभ होगा. स्वजनों से सहयोग व अनुबंध होंगे.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियोंका नवीन योजनाओं में पूंजी निवेश होगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को शासन से लाभ होगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को सत्ता पक्ष से सुख मिलेगा. सिंह राशि के व्यक्तियोंको स्वजनों से सहयोग नवीन अनुबंध होंगे. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अत्याधिक परिश्रम करना पड़ेगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को मित्र के साथ व्यर्थ वाद विवाद से मन व्यथित रहेगा. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को परिश्रम की अधिकता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वाभाव से चंचल, मिलनसार होगा, ईश्वर तथा गुरूजनों का भक्त होगा, संतान की संख्या अधिक होगी, लेखन, एवं साहित्य का संग्रह करेगा, नौकरी में विशेष तरक्की होगी, माता पिता को सुखी रखेगा.

उदयकालीन ग्रह चाल

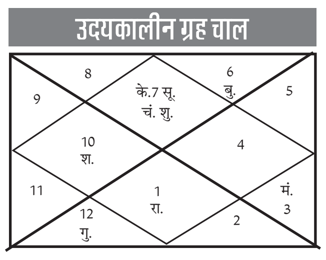

पंचांग

रा.मि. 14 संवत् 2083 वैशाख कृष्ण द्वितीया शनिवासरे दिन 8/27, स्वाती नक्षत्रे रात 8/7, हर्षण योगे दिन 1/6, गर करणे सू.उ. 5/50, सू.अ. 6/10, चन्द्रचार तुला, शु.रा. 7, 9, 10, 1, 2, 5 अ.रा. 8, 11, 12, 3, 4, 6 शुभांक- 9, 2, 6.

व्यापार भविष्य

वैशाख कृष्ण द्वितीया को स्वाती नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड, नमक, चांवल, रूई, के भाव में चढ़ाव के साथ उतार आयेगा, जीरा, केभाव में स्थिति यथावत रहेगी, सोना, चांदी, के भाव में मंदी का योग है, भाग्यांक 2565 है.

मेष- कार्यक्षेत्र की उलझने दूर होंगी, आय के साधन बढ़ेंगे धार्मिक प्रवास होगा, यातायात के साधनों में वृद्धि होगी. नवीन कार्य योजना बनेगी.

वृषभ- भाग्य के भरोसे रहे तो अच्छे अवसर गंवा देंगे, मनमौजी रवैया तरक्की में बाधक होगा, वाहन चलाते समय सावधानी रखें, चोट चपेट आदि से कष्ट होगा.

मिथुन- लोगों को अपनी बात समझाने का प्रयास, भावुकता पर नियंत्रण रखें, जवृश्चिक जायजाद प्रापर्टी आदि की प्राप्ति होगी, उच्च अध्ययन के लिये यात्रा होगी.

कर्क- नई योजनाओं की शुरूआत में परेशानी होगी, उच्च अध्ययन के लिये यात्रा होगी, किसी पुराने व्यक्ति से काम की योजना बनेगी, धार्मिक कार्यो में रूचि रहेगी.

सिंह- अधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त होगा, आर्थिक योजनाओं में वृद्धि होगी, दूर दराज की यात्रा करना होगी, नवीन कार्य प्रारंभ होगा.

कन्या- विवादों के कारण कर्ज लेना पड़ सकता है, प्रतियोगी परीक्षा में सफ्लता मिलेगी, भावुकता के कारण दाम्पत्य जीवन में परेशानी हो सकती है.

तुला- जल्दबाजी में किये फैसले बदलने पड़ सकते हैं, नये संपर्को से लाभ होगा, नियोजित कार्य पूरा होने से मन में हर्ष होगा, अतिथि आगमन होगा.

वृश्चिक- जटिल कार्य सहज में ही पूरे होंगे, जिम्मेदारी से व्यस्तता बढ़ जायेगी, पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा, आय का नया साधन उपलब्ध हो सकता है.

धनु- अनुभवी लोगों की सलाह से लाभ होगा, घर की साज सज्जा पर खर्च होगा, श्रम एवं प्रयास करने से सफ्लता मिलेगी, पारिवारिक कार्यो में अधिकता रहेगी.

मकर- विरोधी खुलकर विरोध कर सकते हैं, मित्रों की उपेक्षा न करें, कोई मूल्यवान वस्तु प्राप्त हो सकती है, अधिकारियों का सहयोग रहेगा.

कुम्भ- भावनात्मक संबंधों में चल रहा गतिरोध दूर होगा, रोजगार के अवसर मिलेंगे, जारी प्रयासों में सफ्लता मिलेगी, संतान के दायित्वों की पूर्ति होगी.

मीन- खानपान की लापरवाही से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, अधिक जोश में सावधानी रखें. धन एवं पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, राजनैतिक दायित्व आ सकते हैं.

SUDOKU 7350

5	9			3			8	7
8	7		1		5			
		2			9			4
	6				2		3	5
3	8		4	1	7		2	9
2	4		6				1	
7			3			8		
			5		8		7	3
9	3			2			6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7349

7	4	8	3	9	2	1	5	6
2	6	9	5	7	1	8	4	3
3	1	5	4	8	6	7	2	9
5	7	4	8	6	9	3	1	2
8	9	1	2	3	4	6	7	5
6	3	2	1	5	7	4	9	8
4	8	7	6	2	5	9	3	1
9	2	6	7	1	3	5	8	4
1	5	3	9	4	8	2	6	7